SHRI S. B. CHAVAN; Giving the case to the CBI, at least prima facie we must have something to have some kind of suspicion that something is being: suppressed and it requires to be investigated by the CBI. Unless *prima facie* a case is brought to our notice, referring every case to the CBI is not going to help us at all.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Why should I ask you to refer every case to the CBI? It is a case of tbe former President. It is better for al! of us if it is done. I don't say that it is not an. accident. That is not my case. But, you know the public opinion. Why *nol* be above suspicion? This is 'what I are telling you.

SHRI S. B. CHAVAN: I will certainly consider I lis aspect and if anything rs. brought to our notice which creates some kind of a doubt in our minds, there will be no hesitation on our part in entrusting the case to the CBI.

RE: Misuse of of TADA

श्री **मोहम्मद अफजल** उर्फ मोम अफजल: उपसभापति महोदय, कल 10 दिसम्बर है और कल ह्यूमैन राइट्स डे मनाया जाएगा। कल चूंकि पार्लियामेंट बंद है इसलिए मैंने इस मसले को आज उठाना जरूरी समझा। हमारे यहां जो ह्यूमैन राइट्स कमीशन बना हुआ है, उसने टाडा के बारे में जो कुछ कहा है, वह सारे अखबारों में छप चुका है। वाइस चेयरमैन साहब, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 19 अगस्त को हमने इस मसले को राज्य सभा में उठाया और पिछले तीन साल से बराबर उठा रहे हैं। खुशी की बात यह है कि जब 19 अगस्त को यह मसला मैंने उठाया और तमाम हाउस के लोगों ने उस पर अपने एटीटयूड का इजहार किया तो वजीरे दाखिला साहब ने अपने बयान में यह कहा था कि बहुत सी जगहों पर टाडा का मिसयूज हो रहा है लेकिन अफसोस की बात है कि इसके खिलाफ वह क्या कार्रवाई करने जा रहे हैं, यह वह नहीं बता सके थे। हमें उम्मीद थी कि अगर वजीरे दाखिला साहब ने यह बात मान ली और दूसरे वजीरे दाखिला साहब तो बराबर मान रहे हैं, अंदर भी और बाहर भी कि टाडा का मिसयूज हो रहा है तो सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई होगी। कांग्रेस पार्टी के स्पोक्समैन ने कहा कि हम इस सैशन के अंदर टाडा के बारे में कुछ नहीं करेंगे लेकिन अगले सैशन में करने वाले हैं। पिछले सैशन में जब मैं यह मसला उठाना चाहता था, तब मुझे यह कहा गया कि एक बिल आ रहा है, आप उस पर लिखना। वह बिल कहां है, यह भी नहीं पता। सर, सैशन खत्म होने के बाद जब वजीरे दाखिला साहब रूस से तशरीफ लाए तो एयर-पोर्ट पर टाडा के मुतल्लिक अखबार वालों ने उनसे सवाल किया तो उन्होंने बताया कि टाडा को रिपील करने का हमारा कोई इरादा नहीं है। उससे ज्यादा जो मुझे अफसोस हुआ और मैं कहना चाहता हूं चूंकि चव्हाण साहब बहुत बड़े लीडर हैं, बहुत सीनियर आदमी हैं, मैं उनकी शान में कुछ कहना नहीं चाहता हूं, उन्होंने किसी के पूछने पर कहा कि टाडा का इस्तेमाल अकलियतों के खिलाफ नहीं हो रहा है। मैं इसको अकलियत और असरियत का मसला नहीं मान रहा हूं। आज 67,502 लोग टाडा में हैं, यह उन पर लगा हुआ है। अगर मैं यह मानता हूं कि इसमें 67,000 लोग मुसलमान हैं, माइनॉरिटी के लोग हैं और बाकी सौ-दो सौ गैर-मुस्लिम हैं तो भी यह उतना ही बड़ा जुर्म है क्योंकि यह ह्यूमैन राइट्स का मामला है। आज जजिज इसके खिलाफ बयान दे रहे हैं। सर, मैं यह बताना चाहता हूं कि 1985 में यह पंजाब के

लिए लाया गया था और आज 25 सूबों के अंदर इसका इस्तेमाल हो रहा है जिसमें गुजरात में 19,263 लोग हैं, पंजाब के अंदर 15,175 लोग हैं, असम के अंदर 11,684 लोग हैं, आंध्र प्रदेश में 8,692 लोग हैं। यह कुल मिलाकर 67509 लोग टाडा में हैं । यह बहुत बड़ा इम्पोर्टेन्ट मामला है। (समय की घंटी) आपने दूसरों को ज्यादा टाइम दिया है ।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل :

[illegible] چیئرمین صاحب کل ۔ ادسمبر ہے اور کل "ہیومین رائٹس ڈے" منایا جائے گا کل کیونکہ پارلیمنٹ بند ہے اس لئے میں نے اس مسئلہ کو آج اٹھانا ضروری سمجھا۔ ہمارے یہاں جو ہیومین رائٹس کمیشن بنا ہوا ہے اس نے ٹاڈا کے بارے میں کچھ کہا ہے۔ وہ سارے اخباروں میں چھپ چکا ہے۔ وائس چیئرمین صاحب میں آپ کو یاد دلانا چاہتا ہوں کہ 19 اگست کو ہم نے اس مسئلہ کو راجیہ سبھا میں اٹھایا اور پچھلے تین سال سے برابر اٹھا رہے ہیں۔ خوشی کی بات یہ ہے کہ جب 19 اگست کو یہ مسئلہ میں نے یہاں اٹھایا اور تمام ہاؤس کے لوگوں نے اس پر اپنے ایجی ٹیشن کا اظہار کیا تو وزیر داخلہ صاحب نے اپنے بیان میں یہ مانا تھا کہ بہت سی جگہوں پر ٹاڈا کا مس یوز ہو رہا ہے لیکن افسوس کی بات ہے کہ

[illegible]
امید تھی کہ اگر وزیر داخلہ صاحب نے یہ بات مان لی اور دوسرے وزیر داخلہ صاحب تو برابر یہاں رہتے ہیں اندر بھی اور باہر بھی کہ ٹاڈا کا مس یوز ہو رہا ہے تو یہ کس کی طرف سے کوئی کارروائی ہوگی کانگریس پارٹی کے اسپوکس مین نے کہا کہ ہم اس سیشن کے اندر ٹاڈا کے بارے میں کچھ نہیں کریں گے لیکن اگلے سیشن میں کرنے والے ہیں۔ پچھلے سیشن میں میں جب یہ مسئلہ اٹھانا چاہتا تھا تب مجھے یہ کہا گیا کہ ایک بل آرہا ہے آپ اس پر لیٹے گا۔ وہ بل کہاں ہے یہ بھی نہیں پتہ۔

سرسیشن ختم ہونے کے بعد جب وزیر داخلہ صاحب روس سے تشریف لائے تو ائرپورٹ پر ٹاڈا کے متعلق اخبار والوں نے ان سے سوال کیا تو انہوں نے بتایا کہ ٹاڈا کو ریپیل کرنے کا ہمارا کوئی ارادہ نہیں ہے اس سے زیادہ جو مجھے افسوس ہوا اور میں کہنا چاہتا ہوں چونکہ چوان صاحب بہت بڑے لیڈر ہیں۔ بہت سینئر آدمی ہیں ان کی شان میں کچھ کہنا نہیں چاہتا ہوں۔ انہوں نے کسی

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : म खत्म कर रहा हूं । मैं सिर्फ यह जानना चाहता हूं...

میں ختم کر رہا ہوں۔ میں صرف یہ جاننا چاہتا ہوں....

मौलाना ओबैदउल्ला खान आजमी : (उत्तर प्रदेश) : टाडा को खत्म कर दीजिए यह सवाल भी खत्म हो जायेगा ।

مولانا عبید اللہ خان اعظمی: ٹاڈا کو ختم کر دیجئے یہ سوال بھی ختم ہو جائیگا۔

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल जून, 1984 को रिव्यू कमेटी बनाई गई । स्टट्स के अन्दर रिव्यू कमेटी बनाने का एलान किया गया । उसका क्या रिजल्ट आया ? मैं एक और अपनी बात कहकर खत्म करता हूं "पायनीर" में 19 नवम्बर, 1994 में दिल्ली के टाडा कोर्ट के जो जज हैं मिस्टर एच० पी० शर्मा टाडा के बारे में क्या कर रहे हैं वह छपा है । उन्होंने इन्टरव्यू दिया है ।

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: جون ۱۹۸۴ کو ریویو کمیٹی بنائی گئی۔ اسٹیٹس کے اندر ریویو کمیٹی بنانے کا اعلان کیا گیا اس کا کیا رزلٹ آیا۔ میں ایک اور اپنی بات کہہ کر ختم کرتا ہوں۔ "پائنیر" میں 19۔ نومبر ۱۹۹۴ میں دلّی کے ٹاڈا کورٹ کے جو جج ہیں مسٹر ایچ۔ پی۔ شرما وہ ٹاڈا کے بارے میں کیا کر رہے ہیں وہ چھپا ہے انہوں نے انٹرویو دیا ہے۔

آفیسروں کے خلاف ہیں ہو رہے ہیں اس کے آفیسر اور اکثریت کا تعلق نہیں بنا رہا ہوں۔ آج ۶۷۵۰۹ لوگ آج ٹاڈا میں ہیں۔ یہ ان پر لگا ہوا ہے۔ اگر میں یہ مانتا ہوں کہ اس میں ۶۷۰۰۰ لوگ مسلمان ہیں۔ مائنارٹی کے لوگ ہیں اور باقی سو دو سو لوگ غیر مسلم ہیں تو بھی یہ اتنا ہی بڑا جرم ہے کیوں کہ یہ ہیومین رائٹس کا معاملہ ہے۔ آج جج اس کے خلاف بیان دے رہے ہیں۔

سر میں یہ بتانا چاہتا ہوں کہ ۱۹۸۵ میں یہ پنجاب کے لئے لایا گیا تھا اور آج ۲۵ صوبوں کے اندر اس کا استعمال ہو رہا ہے جس میں گجرات میں ۱۹۲۶۳ لوگ ہیں۔ پنجاب کے ۱۵۱۷۵ لوگ ہیں۔ آسام کے اندر ۱۱۶۸۴ لوگ ہیں۔ آندھرا پردیش میں ۸۶۹۲ لوگ ہیں یہ کل ملا کر ۶۷۵۰۹ لوگ ٹاڈا میں ہیں۔ یہ بہت بڑا امپورٹنٹ معاملہ ہے "وقت کی گھنٹی"۔ آپ نے دوسروں کو زیادہ وقت دیا ہے۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V, NARAYANASAMY): You have to make a brie* mention.

† [] Transliteration in Arabic Script

•The seriousness ofi TADA cases should be understood by everyone involved. I have cases dating back to 1986 when. TADA was introduced, It is not that I- do not want to dispose Of but there are so many practical problems involved. According to me, the prosecution after framing the charges just goes off to sleer$_t$ They do not produce the witnesses and evidence required for prosecution. There come several adjournments but the situation is still the same. Somct'mes, I pass strictures against police official's but nobody bothers."

आप आखिर इस कानून के बारे में सोचते क्यों नहीं है। जो भी ह्यूमन राइट्स आर्गेनाइजेशंस हैं, तमाम इंटलेक्चुअल्स हैं, बराबर इसके बारे में कह रहे हैं। मुसस्सल इसके बारे में जलसे हो रहे हैं, चारों तरफ आवाज उठ रही है। आज अकाली दल का जलसा हो रहा है टाडा के खिलाफ। राज बब्बर साहब यहां बैठे हैं। इन्होंने मुक्ति आंदोलन शुरु किया है। मैं भी मुल्क के अंदर कई जलसे कर चुका हूं। हजारों की तादाद में कानून के खिलाफ जलसे हो रहे हैं। जो दीवार पर लिखा हुआ है उसको पढ़ने की कोशिश कीजिए, इस काले कानून को बंद कीजिए। ह्यूमन राइट्स कमीशन के चेयरमैन अगर यह कहते हैं कि हम इसके खिलाफ हैं और सुप्रीम कोर्ट में जाना चाहते हैं, मुझे मालूम नहीं वह गये या नहीं, लेकिन यह बड़ा इम्पोर्टेन्ट मसला है। मैं वजीरे दाखिला साहब से विनती करता हूं 67 हजार लोगों के साथ जो कुछ हो रहा है इसके बावजूद भी कन्वीक्शन रेट एक परसेंट है। जैसा ह्यूमैन राइट्स कमीशन ने भी कहा है कि कन्वीक्शन रेट एक परसेंट है **(व्यवधान)**

यह एक जज का बयान है जिसमें टाडा के बारे में उनकी राय है। मेरी समझ में नहीं आता, इसके जारी रहने का क्या कारण है। यह टाडा जरूर लाइये। मैं चव्हाण साहब से कहना चाहता हूं :

हमें गैरों से क्या मतलब, जो मैं उनसे गिला करता।

शिकायत उनसे की है जिनको अपना समझा।

یہ ایک جج کا بیان ہے جس میں
ٹاڈا کے بارے میں انکی رائے ہے میرے
سمجھ میں نہیں آتا کہ اس کے جاری رہنے
کا کیا کارن ہے۔ یہ ٹاڈا ضرور لائیے۔
میں چوہان صاحب سے کہنا چاہتا ہوں کہ

†[] Transliteration in Arabic Script

†[] Transliteration in Arabic Script

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : मैं डिमांड करता हूं कि टाडा कानून को फौरन खत्म किया जाए। टाडा के तहत जितने लोगों को पकड़ा गया है उनको फौरन छोड़ा जाए। बहुत-बहुत शुक्रिया।

मौलाना अबदुल्ला खान आजमी : हम सब लोग इसकी ताईद करते हैं। यह बहुत इम्पोर्टेंट मैटर है। जो बेकसूर इंसान टाडा में बन्द हैं उनको छोड़ा जाए। (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V$_{ft}$ NARAYANASAMY): Shri Mohd. Salim. Names have been given by tbe members and I have to call the metrberst os speak.

श्री मोहम्मद सलीम : (पश्चिम बंगाल) : मिस्टर वाइस चेयरमैन साहब, हमारे यहां होम मिनिस्टर साहब, वरिष्ठ नेता उपस्थित हैं। मैंने पिछले तीन साल से संसद् में, संसद के बाहर की बात नहीं कह रहा हूं, होम मिनिस्टर साहब के टाडा के सिलसिले में कई बयानात सुने। यह प्रैस कान्फ्रेंस में या बाहर क्या कहते हैं, दूसरे मंत्री क्या कहते हैं, उनके जूनियर्स क्या कहते हैं मैं उनको नहीं लेता। मैं होम मिनिस्टर साहब से कहना चाहता हूं कि वह इस बारे में रोशनी डालें। 1992 से डिटेल में नहीं देना चाहूंगा क्योंकि आपने कहा डिसकशन का टाइम नहीं है। मंत्री महोदय ने सदन में कभी लोक सभा में कभी राज्य सभा में कहा :

†شری محمد سلیم: مغربی بنگال) مسٹر وائس چیئرمین صاحب، ہمارے یہاں ہوم منسٹر صاحب وزنٹ زیتا اپستھت ہیں۔ میں نے پچھلے تین سال سے سنسد میں سنسد کے باہر کی بات نہیں کہہ رہا ہوں، ہوم منسٹر صاحب کے ٹاڈا کے سلسلے میں کئی بیان سنے۔ یہ پریس کانفرنس میں یا باہر کیا کہتے ہیں۔ دوسرے منتری کیا کہتے ہیں۔ انکے جونیئرس کیا کہتے ہیں۔ میں ان کو نہیں لیتا۔ میں ہوم منسٹر صاحب سے کہنا چاہتا ہوں کہ وہ اس بارے میں روشنی ڈالیں۔ 1992 سے ڈیٹیل میں نہیں دینا چاہتا ہوں کیونکہ آپ نے کہا کہ ڈسکشن کا ٹائم نہیں ہے میں منتری مہودے سے سدن میں کبھی لوک سبھا میں کبھی راجیہ سبھا میں کہا..

"TADA would be amended to .voided misuse by State Governmen*?" " 1 have asked to review all cases so tfiat innocents are not harassed" "j have written two letters, one to 'he State Governments repeating sjie earlier plea not *io* use TADA against the political dissidents" "The second, to the Cabinet colleagues and the Press. 'TADA is not being misused against minority."

On tfie 19th August, he said Unfortunately, inspite of my letters the Act is being misused. I cannot :ontradic /this."

पीछे इनका यह कहना था कि हम मालूमात कर रहे हैं, स्टेट गवर्नमेंट से रिपोर्ट ले रहे हैं। पहले उनका यह सवाल था कि हम स्टेट गवर्नमेंट से रिपोर्ट ले रहे हैं कि वह मिस-यूज है कि नहीं। इस सदन के एक वरिष्ठ नेता जाफ़र शरीफ़ ने पिछले सत्र में कहा था कि हां, इसका मिसयूज हो रहा है। जब हम लोगों के ऊपर लाठी चार्ज किया गया, जब हम टाडा के विरोध में जलूस निकाल रहे थे तो उस वक्त मंत्री महोदय ने खुद कहा था, वे इसको कन्ट्राडिक्ट नहीं कर सकते, कि इसका मिस-यूज हो रहा है। लेकिन जब वे इंटर सेशन में बाहर जाते हैं और जब उनसे यह पूछा जाता है कि क्या यह टाडा माइनारिटी के खिलाफ इस्तेमाल हो रहा है--इससे पहले कांग्रेस सरकार या कांग्रेस के किसी भी नेता की यह कहने की हिम्मत नहीं हुई--वे कहते हैं कि अगर कोई गिरोह फेंकता है, कोई ग्रूप फेंकता है, कम्यूनिटी फेंकती है, माइनारिटी के लोग फेंकते हैं तो इसको माइनारिटी के खिलाफ इस्तेमाल किया जाएगा। टाडा वाइलेंस के लिए नहीं बनाया गया था। टाडा टैरोरिज्म और डिसरप्टिव एक्टिविटीज जो कुछ महदूद इलाकों में थी, डिस्टर्ब्ड एरिया जो पंजाब के तहत थे, वहां पर जब टैरोरिस्ट हमला बोल

†[] Transliteration in Arabic Script

रहे थे, तो उनका मुकाबला करने के लिए यह बनाया गया था। लेकिन आज इसको पालिटिकल डिसिडेंट के विरोध करने के लिए, राजनैतिक तौर पर अपने विरोधियों के खिलाफ और माइनारिटी इन पर्टिक्युलर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRl Vj NARAYANASAMY): K-'ndlv concluje.

श्री मोहम्मक सलीम : मैं यह कहना चाहता हूं कि सदन में होम मिनिस्टर साहब कुछ बात कहेंगे और सदन के बाहर दूसरी बात कहेंगे। अगर उनमें हिम्मत है तो मैं चुनौती देता हूं कि जो कुछ वह प्रैस कांफ्रेंस में कहते हैं, कभी मुबई में जाकर कुछ बात कहेंगे, दिल्ली में दूसरी बात कहेंगे और विदेश से लौटकर तीसरी बात कहेंगे, उन्हीं बातों को सदन में कहें। टाडा में जिन लोगों को बेल दी गई है, अभी आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में, पहले यह सिर्फ महाराष्ट्र और गुजरात में था लेकिन अब आंध्र प्रदेश और कर्नाटक, पर्टिक्युलरी आंध्र प्रदेश में कई लोगों को बेल पर छोड़ा गया लेकिन ऐसा करने के बावजूद उनके खिलाफ केस वापस नहीं लिए गए हैं। जब ह्यूमन राइटस कमीशन ने यह बात बताई उसके बाद मंत्री महोदय ने...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly conclude.

श्री मोहम्मद सलीम : ...माइनारिटी कमीशन का इस्तेमाल किया और उनसे सर्टिफिकेट लेने की कोशिश की। उसके बाद इसका इस्तेमाल घट गया है, गलत इस्तेमाल कम हो रहा है। हमारी मांग है कि अगर आप टाडा को रिपील नहीं भी करते हो तो जिन-जिन सेक्शन के तहत यह मिसयूज होता है, उनमें तब्दीली करें या उसमें अमेंडमेंट लायें। मैं जानना चाहता हूं कि आप ऐसा करेंगे या नहीं ? इसके मिसयूज के कारण हिन्दुस्तान के नौजवान सालों साल जेलों के अंदर बिना किसी जुर्म के डाल दिए गए हैं और उनके बारे में कोई बादर नहीं करता।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Kindly concludes

श्री मोहम्मद सलीम : मेरी डिमांड है कि जो लोग इसका मिसयूज करते हैं उनको कोई सजा होगी या नहीं ? यह वाइलेशन आफ ह्यूमन राइटस है। आंध्र प्रदेश में जो टीन-एज 1990-91 में पकड़े गए थे, आज भी उनके ऊपर केस चल रहे हैं, मकदमें चल रहे हैं। एक्सटार्शन राकेट है, चाहे गुजरात में हो, चाहे राजस्थान में हो।

THE VICE-CHAIRMAN (.SHRI V. NARAYANASAMY); Mr. Salim, you have io conclude. Other Members have Aso to speak. Please conclude,

श्री मोहम्मद सलीम : मैं कन्क्लूड कर सकता हूं, अगर होम मिनिस्टर अभी शुरू करते हैं। हम सरकार से चाहते हैं कि सरकार इस ओर कदम उठाये। अगर सरकार इसको रिपील नहीं करना चाहता है तो इसमें एमेंडमेंट करे और जिन लोगों ने इसका मिसयूज किया है उनको सरकार सजा दे।

شری محمد سلیم: مجھے اس کا یہ کہنا تھا
کہ ہم معلومات کر رہے ہیں اسٹیٹ گورنمنٹ
سے رپورٹ لے رہے ہیں کہ وہ مس یوز
ہے کہ نہیں۔ اس سدن کے ایک ورشٹھ
نیتا جعفر شریف نے پچھلے ستر میں کہا تھا
کہ ہاں اس کا مس یوز ہو رہا ہے۔ جب
ہم لوگوں کے اوپر لاٹھی چارج کیا گیا
جب ہم ٹاڈا کے وروودھ میں جلوس نکال
رہے تھے تو اس وقت منتری مہودے نے
خود کہا تھا کہ وہ اس کو کنٹرا ڈکٹ نہیں
کر سکتے کہ اس کا مس یوز ہو رہا ہے لیکن
جب وہ انٹرویشن میں باہر جاتے ہیں
اور جب ان سے یہ پوچھا جاتا ہے کہ کیا
یہ ٹاڈا مائنارٹی کے خلاف استعمال ہو رہا

† [] Transliteration in Arabic Script

تیسری بات کہیں گے۔ انہیں باتوں کو سدن میں کہیں۔ ٹاڈا میں جب لوگوں کو جیل دی گئی ہے ابھی آندھرا پردیش اور کرناٹک میں پہلے یہ صرف مہاراشٹر اور گجرات میں تھا لیکن اب آندھرا پردیش اور کرناٹک پر ٹیکولری آندھرا پردیش میں کئی لوگوں کو جیل پر بھیجا گیا لیکن ایسا کرنے کے باوجود ان کے خلاف کیس واپس نہیں لئے گئے ہیں جب ہوم منسٹر نے یہ بات بتائی اس کے بعد منتری ہو دے نے۔

شری محمد سلیم: مائنارٹیز کمیشن کا استعمال کیا اور ان سے سرٹیفکیٹ لینے کی کوشش کی اس کے بعد اس کا استعمال گھٹ گیا ہے غلط استعمال کم ہو رہا ہے ہماری مانگ ہے کہ اگر آپ ٹاڈا کو ریپیل نہیں بھی کرتے تو جن جن سیکشن کے تحت یہ مس یوز ہوتا ہے۔ انہیں تبدیل کریں یا اس میں امنڈمنٹ لائیں میں جاننا چاہتا ہوں کہ آپ ایسا کریں گے یا نہیں اس کے مس یوز کے کارن ہندوستان کے نوجوان سالوں سال جیلوں کے اندر بنا کسی جرم کے ڈال دیئے گئے ہیں اور ان کے بارے میں کوئی بات نہیں کرتا۔

شری محمد سلیم: میری ڈیمانڈ ہے کہ جو لوگ اس کا مس یوز کرتے ہیں۔ ان کو

ہے۔ اس سے پہلے کانگریس سرکار یا کانگریس کے کسی بھی نیتا کی یہ کہنے کی ہمت نہیں ہوئی۔ وہ کہتے ہیں کہ اگر کوئی گرنیڈ پھینکتا ہے۔ کوئی گروپ پھینکتا ہے کمیونٹی پھینکتی ہے۔ مائنارٹی کے لوگ پھینکتے ہیں تو اس کو مائنارٹی کے خلاف استعمال کیا جائے گا۔ ٹاڈا اوائلنس کیلئے نہیں بنایا گیا تھا۔ ٹاڈا ٹیرورزم اور ڈسرپٹیو ایکٹی ویٹیز جو کچھ محدود علاقوں میں تھی۔ ڈسٹربڈ ایریا جو پنجاب کے تحت تھے۔ وہاں پر جب ٹیرورسٹ حملہ بول رہے تھے تو ان کا مقابلہ کرنے کیلئے یہ بنایا گیا تھا۔ لیکن آج اس کو پالیٹیکل ڈسیڈنٹ کے ورودھ کرنے کے لئے راج نیتک طور پر اپنے ورودھیوں کے خلاف اور مائنارٹی ان پر ٹیکلر اس کا استعمال کیا جا رہا ہے۔

شری محمد سلیم: میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ سدن میں ہوم منسٹر صاحب کچھ بات کہیں گے اور سدن کے باہر دوسری بات کہیں گے۔ اگر ان میں ہمت ہے تو میں چنوتی دیتا ہوں کہ جو کچھ وہ پریس کانفرنس میں کہتے ہیں کبھی کابھی جا کر کچھ بات کہیں گے۔ دلی میں دوسری بات کہیں گے اور ودیش سے لوٹ کر

श्री राज बब्बर (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, सदन में सरकार से बार-बार पूछने के बाद भी सरकार ने यह बात नहीं बताई कि जिस तारीख से टाडा का इस्तेमाल हुआ, उस तारीख से आज तक कितने लोगों को इसके अंदर गिरफ्तार किया गया, कितने लोगों के खिलाफ चार्ज-शीट अभी तक बनी है, इसका जवाब अभी तक नहीं मिला है। जो लोग छोड़े भी गए हैं, क्या उनके ऊपर मुकदमें चलाए गए। उनको किस बिना पर छोड़ा गया। 18 हजार लोग जेलों के अंदर हैं। अभी भाई सलीम ने कहा कि उन लोगों के ऊपर जिन्होंने टाडा का इस्तेमाल किया है, उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई है। महोदय, टाडा इस देश के अन्दर यह साबित करता है कि आज कितने हजार लोग देशद्रोही और गद्दार हैं। क्या हमारा यह कानून सिर्फ इसलिए बना है कि देश के लोग यह साबित न कर सकें कि वह देशद्रोही और गद्दार नहीं हैं? क्या यह कानून इसलिए बना है कि, एक आदमी के टाडा में जाने से सात या दस उस परिवार के लोग देशद्रोही और गद्दार बनते हैं, क्या इस देश का सदन, इस देश का कानून यह साबित करना चाहता है कि यह देश गद्दारों और देशद्रोहियों का देश है। मेरी सदन से दरख्वास्त है कि यह कानून जो कानून अवामों की जिंदगियों को बरबाद कर रहा है, अगर किसी व्यक्ति पर टाडा लगाया जाता है या कोई कहता है कि ये बदमाश दाऊद का साथी है, तो मेरी गुस्ताखी को माफ करें, मैं एक व्यक्ति का नाम लेना चाहूंगा,*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): It is not correct. You cannot allov/ him to use this House like this.

श्री राज बब्बर : उस पर टाडा क्यों नहीं लगाया गया... (व्यवधान) क्यों नहीं टाडा लगाया गया। (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): I will not allow it to go on records *(Interruptions)* The allegation will not be allowed to go on record. *(Interruptions)* Allegations cannot be made like this.

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) :* **[उनको टाडा में क्यों नहीं बन्द किया जाता है (व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Misraji, you are a senior Member. You kind'y take your seat.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN; Sir, you cannot allow bim to misuse the House like this. Please ask

†[ ] Transliteration in Arabic Script, *Not recorded.

him to resist from speaking alj these things. *(Interruptions)* He cannot misuse tbe House.

SHRI JAGESH DESAI (Mah tra): This House cannot be nsetl like this. *(Interruptions)*

श्री राज बब्बर : सन्तरियों के लिए डाडा है, मंत्रियों के लिए डाडा नहीं है (व्यवधान) क्या जिसकी लाठी उसकी भैंस है डाडा सिर्फ उसके लिए लगाया गया (व्यवधान)

THE VICECHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Raj B:< kindly conclude.

श्री राज बब्बर :आप चाहे मुझे हाऊस से बाहर निकाल दें लेकिन मेरी बात आपको सुननी पड़गी (व्यवधान)

SiHRtMATI JAYANTHI NATARAJAN: Don't misuse this forum.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY)*}* Raj Babbarji, you have to conclude now.

SHRDMATI JAYANTHI NATARAJAN; Sir, please expunge whatever he

THE VICE-CHAIRMAN (SHRl V, NARAYANASAMY): I have already ordered.

श्री राज बब्बर : क्या मतलब है **(व्यवधान)** मुझे अपनी बात को कहने क्यों नहीं दिया जा रहा है। **(व्यवधान)** मैं माननीय मंत्री जी का सम्मान करता हूं। इसीलिए कहना चाहता हूं कि जैसे उनके ऊपर बात आने पर किस तरह से आग बबूला हो गई एक पार्टी। इसी तरीके से उस नौजवान के बारे में सोचिए, उस बच्चे के बारे में सोचिए। **(व्यवधान)**

SHRIMATI JAYANTHI NATARA JAN; Sir, again he is saying the same thing.

i

**Not recorded

f[ ] Transliteration in Arabic Script. .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V, NARAYANASAMY): Raj Babbaiji, you have to conclude now.

SHRI JAGESH DESAI: The Chief Minister of Maharashtra has askea tbe Committee to review the cases.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN; Sir, it is a serious issue. Let him not politicise a serious issue. He is ^aying the same thing.

श्री राज बब्बर : मैं कह रहा हूं यह डाडा कितना खतरनाक है। मुझे इस बात की खुशी है कि क्लिंग पार्टी के लोग तिलमिला कर खड़े हो गये। मैं उनकी कदर करता हूं। इसी तरीके से एक भाई, एक बहन के भाई की कदर कीजिए जिसका नौजवान अन्दर पड़ा हुआ है। इसके साथ मैं एक बात और कहना चाहता हूं (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRl V. NARAYANASAMY): No, no. Kindly conclude.

श्री राज बब्बर : मैं एक बात कहना चाहूंगा (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): No, no. You have t_0 conclude now. Shri Naresh Yadav.

श्री राज बब्बर : मैं यह डिमांड करता हूं कि इस काले कानून को खत्म किया जाए। **(व्यवधान)**

श्री चतुरानन मिश्र : यह गैर कानूनी है इसलिए इसको खत्म किया जाए **(व्यवधान)**

मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी : इस पर बहस होनी चाहिए **(व्यवधान)**

مولانا عبید اللہ خان اعظمی: اس پر بحث ہونی چاہیئے ... مداخلت ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): I am not allowing anybody on this subject, Now, Shri Yadav. *{Interruptions)*

SHRi S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh I: Sir, you kindlV a<4 the Home

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. WASAMY). Mr. Jaipal Reddy, you know better.. .*{tnterruptions)* I cannot compel the Home Minister.

SHRi. S. JAIPAL REDDY: The Home Ministe" cannot be a silent spectator. *{Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRl V. NARAYANASAMY); Kindly t$_a$ke your seals *I* cannot allow eerybody on this subject

डा० जगन्नाथ मिश्र (बिहार) : यह एक संवेदनशील और गम्भीर मामला है। माननीय सदस्यों ने...(व्यवधान)सुनिए (व्यवधान) यह एक गम्भीर मामला है। सारे देश में यह भ्रांति फैली हुई है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के विरुद्ध है (व्यवधान)

SHRi 3. JAIPAL REDDY: No, no *{Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V$_s$ NARAYANASAMY): Kindly take your seats. Please take your seats.

डा० जगन्नाथ मिश्र : मानव आयोग अध्यक्ष ने भी कहा। उन्होंने जिन राज्यों का दौरा किया, दौरा करने के बाद कहा कि यह कानून लोक तंत्र समाज के लिए निंदनीय है। यह काला कानून है, इस कानून को नहीं रखा जाना चाहिए।

THi:: V ICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY;: Mishraji, kindly take your seat.

डा० जगन्नाथ मिश्र : हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने जो टिप्पणी की उसके बाद माननीय सदस्यों ने जो भावना व्यक्त की, हाल ही में लाल कृष्ण आडवाणी ने इस कानून के पक्ष में जो दलीलें दी हैं उसके बाद यह मामला काफी उलझ गया है? यह कानून लोकतंत्र की बुनियाद के खिलाफ है। इस कानून का दुरुपयोग हो रहा है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V, NARAYANASAMY;; Kindly conclude.

डा० जगन्नाथ मिश्र : इस कानून को रद किया जाना चाहिए। हमारी भी यही भावना है। राज्य सरकारों ने अपनी विधि-व्यवस्था के लिए पुलिस को शक्तियां दे दी हैं जो उसका दुरुपयोग करती है। खास तरह के लोगों के खिलाफ इस्तेमाल करती है। यह बताया गया कि 67 हजार गिरफ्तारियां हुई। केवल सात सौ मामलों में कुछ साक्ष्य मिले हैं। क्या 50-60 हजार नौजवानों को उनके मूल अधिकारों से वंचित कर दिया जाए? इस कानून का दुरुपयोग सारे देश में हो रहा है। पुलिस खास तौर से दुश्मनियां निकालने के लिए, लोगों को परेशान करने के लिए, भयभीत करने के लिए टाडा की शरण में लोगों को परेशान कर रही है। इसलिए इस कानून को तत्काल रद्द करना चाहिए। यह कानून लोकतंत्र के लिए कलंक है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V$_B$ NARAYANASAMY;: Shri Naresh Yadav.

SHRI S. JAIPAL REDDY; Mr. Vice-Chariman, Sir, kindly ask the Home Minister to respond.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): I cannot ask him to respond. I cannot compel the Minister

मोलाना अबेदुल्ला खान आतमी : होम मिनिस्टर साहब बयान दें इस पर... (व्यावधान)

मौलाना अबेदुल्ला खान आजमी : होम मिनिस्टर साहब बयान दें इस पर...

SHRI CHATURANAN MISHRA: You can request him because he had several limes said that this was being misused. Mr. Minister, you had said several times that this was being misused. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V NARAYANASAMY): Mr. Mishra, please sit down. The Minister is responding.

SUR! CHATURANAN MISHRA: It is my request that ha should repeat it.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Sir, I do not believe in saying something on the floor of the House and a totally different kind of thing outside tlie House. *(Interruptions)* I had said on the lloor of the House as wel] as outside. I did say that the provisions of the T.A.D.A. had been misused. I had said st) I do not deny that

DR. JAGANNATH MISHRA; Large-scale.

SHRI CHATURANAN MISHRA: Large-scale misuse.

SHRI S. B. CHAVAN: Of course,... *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Let the hon. Minister speak. *(Interruptions)*

We cannot have a running commentary here.

SHRI S. B. CHAVAN: Mishraji should have the patience to understand the kind of problem which we have been facing. It was not with great pleasure that we had to bring forward a legislation of this nature. But I would like to understand from the hon. Members as to how we tackled the situation 'n Punjab. Not even one witness was spared. If the name of the witness was there, the next day he was wiped out.

SHRI CHATURANAN MISHRA: But the situation has changed.

SHRI S. B. CHAVAN; The situation has changed, but the situation in...

SHRI CHATURANAN MISHRA: The situation in Punjab has changed, Then, what about Gujarat?

डा० जग नाथ मिश्र : दूसरा, कहां सिचुएशन है ।

THE VICE-CHAIRMAN 'SHRl V NARAYANASAMAY): Mishraji, kindly hear the hon. Minister.

SHRI *tt.* B. CHAVAN: Sir, as far as the situation in lammu and Kashmir is concerned, in spite of the fact rhat there has, been a qualitative change .ind the people at large are prepared to tt?lp you, you cannot deny that there i- Eear of the gun even now.

SHRI JANESHWAR HRA: What about Maharashtra?

SHRI S. B. CHAVAN: Even in Maha-rashtra, I can. say.. .*{Interruptions)*

SHRI CHATURANAN MISHRA: What about Gujarat?

THE VICE-CHAIRMAN iSHRI V NARAYANASAMY); Let tbe Minister respond, please.

SHRI CHATURANAN MISHRA: We are helping bjm by giving him the names of those States which ,'e not facing any terrorist threat.

SHRI S. B. CHAVAN: 1 , that even in Maharashtra, not only Maha, rashtra, but in Andhra Pradesh, Guj$_a$rat and some other areas also...

SHRI MD. SALIM; Rajasthan.

SHRl S. B. CHAVAN; In these areas, the activities of Inter Services Intelligence and the kind of recoveries that we are making... *(Interruptions).*

डा० जगन्नाथ मिश्र : सारा मुल्क टेरोरिस्ट हो गया ?

श्री एस०बी० चौहान : क्या हो गया। आप भी बात सुनें। जरा आप भी तो शांत बैठिये।

एक माननीय सद ः : यह टाडा भी आई एस. आई. ने लगाया ?

मौलाना अबैदुला खान आजमी : टाडा की बात तो आई.एस.आई. के बहुत पहले हो चुकी है और बहुत पहले से इसकी हम लोग मुखालिफत कर रहे हैं कि मासूम लोगों को छोड़िये। मुजरिमों को आप पकड़िये मासूमों को क्यों बन्द किये हुये हैं . . (व्यवधान)

مولانا عبیداللہ خان اعظمی: ٹاڈا کی بات تو آئی۔ایس۔آئی کے بہت پہلے ہو چکی ہے اور بہت پہلے سے اس کی ہم لوگ مخالفت کر رہے ہیں کہ معصوم لوگوں کو چھوڑیئے مجرموں کو آپ پکڑیئے معصوموں کو کیوں بند کئے ہوئے ہیں ...مداخلت....

SHRI S. B. CHAVAN: I can well understand. I can sympathise if any of the innocent people had also been implicated. In fact, there is a case. That is why we have been consistently requesting all the Chief Ministers to review the cases...

SHRI AHMED MOHMEDBHAI ATEL (Gujarat): Nothing is happen. . (*Interruptions*)

RI S. B. CHAVAN: I would like e the latest figures because they be under the impression that -65,000 people are still in de- ı different jails.

· the 1993 amendment of hen two very important ds were made, the figure has wn to 6,304. If the hon. s are interested, I can give the

Transliteration in Arabic Script

figures. Actually, I was not prepared for giving any reply $_{t0}$ this kind of a discussion. But whatever figures Ihave with me I am prepared to give to the House.

The details of the number of persons presently in custody under T.A.D.A. are as follows: Andhra Pradesh 267- Arunachal Pradesh—6; Assam—653; Bihar-6; Goa—Nil; Gujarat—252; Haryana—the figure is not available. Himachal Pradesh —1, Jammu and Kashmir 1720; Madhya Pradesh—53; Karnataka—we coul<j not get the figure; Maharashtra—1477; Manipur—235; Meghalaya—16; Punjab—. 576; Rajasthan—163; Tamil Nadu— 158; Uttar Pradesli—329; West Bengal— 6; Chandigarh—9; and Delhi 377. The total comes to 6,304. Even in this figure also I can't rule out the possibility of. some of the people who, in fact, may have been criminals. I can't rule out that j&ossMity. But depending upon the nature of the crime that they have committed and the information upon which a person js being kept under detention, it is quite possible that he may be tried under the ordinary laws of the land. It is not necessary that in every case TADA alone should be applied, ins. tead of applying TADA, they can apply th$_e$ other laws which are available and try to reduce the number to the barest minimum. Certainly w$_e$ can't make any kind of compromise so far as the safety of the country is concerned, and that is why, even if witnesses are being killed, Judges are being killer and even journalists are also being killed, to expeet that we should just keep quiet in such circumstances is not correct. Tomorrow if such a thing will happen, every Member is bound to ask me, "What is the Government of India doing in the matter?" or. for that matter, "What is the State Government concerned is doing?" So my request to you would be, so long as extraordinary conditions are there, I can't possibly give an assurance to the House that we propose to repeal the Act.

(Shri S. B. Chavan)

About misuse, if it i3 theic .1 have written almost hrlf a dozen letters myself. The Supreme Court has also upheld (he validity o,r the Act but, at the same time, requested the Govern, ment that at the Central level as well as at the State level, review committees should be appointed and let the review committees review all the cases of all the detenus who are still there.

Now the most important amendment that we have brought about is, first, within six months the police officers have to finalize their investigation and file the charge-sheet If by any chance within six months they can't do it, then they have io approach the court through the Police Procecutor and request for extension of time. And the maximum time which can be allowed is one year. After one year if the investigation is not completed, then there is hardly any case for keeping the detenus under detention. So, these are the amendments that we have brought about in 199? and these drastic changes that you find in the figures is because of the amendments that we have brought about. If there is any such provision which is still being misused, I can still reiterate that TADA sholld not be used against political opponents, TADA should not be used against trade-unionists or for any other matter.

SHRT INDER KUMAR GUJRAL: Let me interrupt you for a minute, T ateo happen to he a member of the UN Committee on Human Rights. We have a National Human Rights Commission now. Tn order to carry credibility in the nation, may T suggest that that th" review Committees be appointed by the National Commission rather than by the Covernment?

SHRI S. B. CHAVAN: I am sorrv, I can't agree to this point of view... fInterruptions)... Ultimately it isthe Government which be held responsible. T can't possibly ask this commission or that commission to appoint a committee and go into it. I can well understand, if there is misuse Ofl a big scale, some of the public representatives being associated at the time of review, so that their point of view is also heard and, if they have any particular case to represent, certainly they should be in a position to represent their case before them. But, so long as the present condition of extraordinary circumstances is prevailing, I can't possible agree to a repeal. ... (Interruptions) ,. .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Today is Friday.

श्री चतुरानन मिश्र : यह 6 हजार आदमी जो हैं यह एक साल से ज्यादा से है । आप इसकी जरा जांच करवा लीजिये । . . . (व्यवधान)

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: I have a P°int of order. The House can't be misled. This is the information given by the Government.

HSR VICE-CHAIRMAN (SHRl V. NARAYANASAMY): One minute. Mr. Afzal, kindly take your seat.

SHRl MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: This is a point of order. You sholld allow me.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): One minute. If ihe Home Minister has not given correct information, you have got another remedy, not a point of order.

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: The House cannot be misled.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI NARAYANASAMY): There is a remedy available, You can it.

SHRI MOHAMMED AFZAL MEEM AFZAL: This has been by the Government... (Interrupti

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI NARAYANASAMY): One minute.

minute. One minute. One minute. One minute. (Interruptions) kindly take yolr seat. Kindly take your seat. Kindly take your seat. (Interruptions) Mr. Salim, kindly take your seal.

'his is Private Members' Day. Jt is 110 PM now... (Interruptions)

Kindlf hear me... (Interruptions)

Mr. Afzal, kindly hear me. Kindly take your seat. Kindly take your seat. Kindly take our seat.

श्री मोहम्मद सलीम : हजार लोग बन्दी बनाकर रखे गये हैं कल वह बतायेंगे देश को ..(व्यवधान)..ये चार्ज-शीट दे नहीं पाये हैं...(व्यवधान)

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल : "टाडा" के मसले पर जो भी हमारे होम मिनिस्टर साहब ने कहा है... होम मिनिस्टर साहब ने कहा है (व्यवधान) आप दो मिनिट मेरी बात नहीं सुनना चाहते । आपने यह जो फिगर्स दिये हैं यह राज्य सभा में दिये हैं (व्यवधान)

SHRIMATI IAYANTHI NATARAJAN: Sir, I am waiting to raise my point. . . *(Interruptions)* .

SHRI MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL: lust a minute, please. Madam, please.

These figures have been given in Rajya Sabha on 17-8-94.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): Mr. Afzal, you not hearing what I am saying. Kindly hear me. Kindly take your seat. Kindly take your seat. Kindly your seat.

hon. Home Minister has not correct information, you have got in this House. You cannot say.

MOHAMMED AFZAL *alias* AFZAL: I Just want to clarify it.

VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY): No, no, you can clarify it now.

We will take up Special Mentions after five o'clock in the evening.

The House is adjourned up to 2-30 p.m.

The House then adjourned for lunch at Twelve minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at Ihirtythree minutes past two of the clock, The Vice-Chairman (M'ss Saroj Khaparde) in the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE): Bills for introduc tion. Dr. Mauniha] Singh.

THE COMPULSORY CROP AMD LIVE-STOCK INSURANCE SCHEME FOR FARMERS BILE, 1994

DR. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh): Madarn, I beg to move foi leave \v introduce a Bill to provide for compulsorj insurance of crops and livestock of farmers against natural calami* t ies and to provide them economic safety snd for matters connected there» villi or incidental thereto.

Tlie question was p,ut and //ic *motion was adopted.* DR. NAUNIHAL SINGH: Madam, 1 introduce the Bill.

THE INSECTICIDES- (AMENDMENT) BILE, 1994

SHRI SURESH PACHOURI (Madhya Pradesh): Madarn. I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Insecticides Act, 1968. *Tlie question was put and the motion was adopted.*

SHRI SURE5?H PACHOURI: Madam, 1 introduce the Hill.

THE CONSTITUTION (AMENDMENT) BALI., 1994 (INSERTION OF NEW ARTICLE 22A)

SHRI SURESH PACHOURI (Madhya Pradesh): Madam, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.